





पराक्रमी महापुरुष का भी मन दृष्ट  
व्यक्ति के साथ रहने से दृष्टि हो जाता है।

## खबरें फटाफट

### जमीनी विवाद में बुजुर्ग महिला की हत्या

सासाराम। जिले के काराकाट थाना क्षेत्र के गोरारी गांव में भूमि विवाद में एक बुजुर्ग महिला और उसके बेटे की लाटी-डंड से पीटकर मंगीरे पूरे से घायल कर दिया। महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि घायल बेटे का इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोरारी गांव के बृजविहारी तिवारी का 3 डिसम्बर जयनी को लेकर अपने गांव की ही कुछ लोगों से विवाद था। उसी विवाद को लेकर आज दोनों एकों में छाप हो गई। इस क्रम में मारपीट शुरू हो गई। दूसरे पक्ष द्वारा लाटी-डंड से हमला किया गया, जिसमें बृजविहारी तिवारी की पांची सुनर बासु दोनी 60 साल एवं उसका बेटा मुना कुमार गंगीरे रूप से घायल हो गए। परिजन उहने आनंद फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कारबाह के गए, जहां चिकित्सकों ने सुनन वासु देवी को भूत घोषित कर दिया, जबकि बेटे का इलाज चल रहा है। वहीं बुजुर्ग महिला की मौत के बाद आकाशित परिजनों ने शव के साथ डेरी-बिक्रीमान सड़क को जाम कर दिया। परिजन वारदात की अंजाम देने वालों की गिरफ्तारी की गया कर रखे थे। सुधना पर पहंची काराकाट की पुलिस ने समझा-बुझा कर सड़क जाम हटाया।

### डॉपिंग केंद्र के खिलाफ ग्रामीणों का हल्ला बोल

आर। जिले के कोइलर प्रखण्ड के बहिराया गांव में आरा नगर निगम के द्वारा बनाये गए कवरा डॉपिंग केंद्र से फैल रही दुर्घटना ने ग्रामीणों की जिंदगी पर असर डाला। शुरू कर दिया है। बहिराया गांव में आरा नगर निगम का कवरा डॉपिंग केंद्र बाजार जाने और इससे गांव और आसपास के इलाजों में पर्यावरण पर खड़े हो गए खतरे को लेकर गुस्साएं बहिराया गांव के सेकड़ों की संस्था में महिलाओं, लड़कियों, बच्चों और बुजुर्गों ने एकजुट होकर गांव के पास सड़क जाम कर प्रशंसन और नारेबाजी शुरू कर रही है। सोन नदी और बहिराया गांव के बिल्कुल करीब बनाये गए जिला प्रशासन के कवरा डॉपिंग केंद्र को बद करने और अब तक बह फैले गए कवरों को अविवाच स्थानांतर करने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की गई। बहिराया गांव के पास सड़क जाम से आरा नगर निगम की कवरा लाकर डॉपिंग केंद्र में फैले वाली चार दर्जन गांडिया धरहरा से लेकर बांदी के बीच मुख्य सड़क पर जगह जगह रुकी रही। ग्रामीणों द्वारा किए गए गर गांव सड़क जाम से कोइलर, घनींडा, बांदी मार्ग पर सेकड़ों गांडियों की लंबी कतार लग गई। बांदी के गांव में ग्रामीणों ने कवरा लंदी गांडियों को रोक कर बांदी गांडियों को निकाला शुरू किया। ग्रामीणों के सड़क जाम कर गांव की सीमा से कवरा लंदी गांडियों के प्रशंसन पर प्रतिवध लगा दिया गया को बाद आरा नगर निगम के प्रबंधक प्रदर्शनकारी ग्रामीणों से बातचीत करने पहुंचे।

# अब जिले के टीबी मरीजों का होगा इंटरव्यू, ऑनलाइन फीड किया जाएगा जवाब

केटी न्यूज/बक्सर

- टीबी सेंटर, डब्ल्यूएचओ और पीसीआई संयुक्त रूप से अभियान में होगे शामिल
- मरीजों से इलाज से लेकर दवाओं से संबंधित ली जाएगी जानकारी



कार्यालय टीबी उन्मत्तन कार्यक्रम को गति देने और उसमें सुधार के लिए सरकार ने नई मुहिम शुरू की है। जिसके तहत अब जिले के टीबी मरीजों का इंटरव्यू लिया जाएगा। इसके लिए सरकार ने पॉयलेशन कार्यालय और अंग्रेज इंडिया (पीसीआई) की दो सदस्यों टीम भेजा है। जो मरीजों का इंटरव्यू करने के दौरान उनके दिए जवाबों को भारत सरकार द्वारा दिए गए एप प्रविष्ट करेंगे।

इसके लिए जिले के सरकारी व प्राइवेट संस्थानों के स्तर पर इलाजत माइक्रो प्लान तैयार किया गया है। साथ ही, इंटरव्यू के लिए 200 मरीजों को चिह्नित किया गया है। जिले के बाहर रहने वाले मरीजों का नहीं होगा इंटरव्यू : जिला टीबी सेंटर के एसटीएलएस

## विश्व के एक चौथायी टीबी मरीज भारत में

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एटरडॉपी कंसल्टेंट डॉ. कुमार बिजेंद्र सौरभ ने बताया, डब्ल्यूएचओ की 'द ग्लोबल ट्रॉबल्यूसुलेशन रिपोर्ट 2019' के अनुसार भारत में टीबी मरीज दुनिया में सबसे ज्यादा है। पूरी विश्व के एक चौथायी टीबी मरीज भारत में हैं। जिसमें एम्डीआर और एसटीआर के मरीज को बहुताया किस्म है। उन्होंने बताया कि ड्रग रेसिस्टेंट टीबी, टीबी की बहुताया से लोग जाएं तो उनके बायोकार द्वारा एक खतरनाक किस्म है, जिस पर दो सबसे लाकार और एस्ट्रेंजर टीबी, टीबी की बहुताया से लोग जाएं हैं। दुनिया के जनसमाज में स्वास्थ्य विस्तर इसे एक 'जिंदा बां' और 'पर्यावरक स्वास्थ्य स्कॅटर' का नाम दे चुके हैं। इसमें भी अधिक टीबी एक ऐसी बीमारी है जो आपके जीवन के सबसे उत्पादक काल यानि 15-59 वर्ष के लोगों को अपनी चेपें में लेती है।

द्वारा दी जाने वाली सभी निःशुल्क सेवाओं और सुविधाओं की गति में आ रही बाधाओं को चिह्नित किया जाना है। ताकि, लोगों का इलाज और भूख में कमी और बदन कम होना आदि लक्षण हैं, तो वो टीबी की जांच अविवार्य रूप से कराएं।

लक्षण दिखने पर तत्काल कराएं जांच : जिला अस्पताल से प्रविष्ट स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी के सरकारी व अधिकारी एक बायां वाला इलाज की बहुताया से जरूरी है। उन्होंने बताया कि टीबी के इलाज में सबसे जरूरी है लक्षणों की पहचान। जिन लोगों में सिर्फ दर्द, चक्कर, दस्त वाले से ज्यादा खासी वा बुखार आनाए खांसी के साथ मुंह से खाना आनाए भूख में कमी और बदन कम होना आदि लक्षण हैं, तो वो टीबी की जांच अविवार्य रूप से कराएं।

## उद्योग विभाग के विशेष सचिव ने अधिकारियों के साथ की समीक्षात्मक बैठक

# जिले में फ्रूट प्रोसेसिंग यूनिट को बढ़ावा देने के लिए उद्यमियों को दें ऋण : विशेष सचिव

- 40 लाभुकों का चयन कर जनवरी के अंत तक ऋण वितरित करने का दिया लक्ष
- पीएमजीपी कार्यक्रम के अंतर्गत 93 लोगों को ऋण किया गया स्वीकृत

केटी न्यूज/जहानाबाद



जिले के खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में सक्रिय औद्योगिक इकाइयों को अपनी क्षमता का विस्तार के लिए तथा नए उद्यमियों को खाद्य प्रसंस्करण की इकाई स्थापित किया जाएगा। इस क्रम में प्रधानमंत्री खाद्य प्रसंस्करण उद्योग उन्नयन योजना के तहत सभी लाभुकों को तकनीकी विशेषज्ञ देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यहले किस तरीके से लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यहले किस तरीके से लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाभुकों में एक बड़ी टीबी विशेषज्ञ की उपलब्धि के लिए जारी किया गया है। लाभुकों में एक बड़ी टीबी विशेषज्ञ की उपलब्धि के लिए जारी किया गया है।

स्वीकृत किए जा चुके हैं। साहनी, पीएफएफएमई योजना के आवश्यक कार्यक्रम करने हुए इनका तहत चयनित जिला संसाधन सेवी और अनेक उद्यमियों की गति उपरिक्षित है। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सहदेव दास ने बताया कि मुख्यमंत्री उद्यमी योजना को बहुताया की जाएगी। यहले किस तरीके से लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यहले किस तरीके से लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बैठक के अंत तक लाभुकों को इन लाभुकों के बाद लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाभुकों को इलाज देने के बाद लाभुकों को इलाज लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।



